

ईको पार्क से मलिंगी डांडाचली को नई पहचान

चर्चा में क्यों?

10 नवंबर, 2022 को उत्तराखण्ड के नई टहिरी ज़िला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि नई टहिरी से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल डांडाचली को पर्यटन विभाग द्वारा ईको पार्क के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद डांडाचली देश-वदेश के पर्यटकों को एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल की अनुभूतिकराएगा।

प्रमुख बटु

- अतुल भंडारी ने बताया कि डांडाचली क्षेत्र पाँच वर्ग किलोमीटर में देवदार व बांज के घने जंगलों से घिरा हुआ है। वाइल्ड लाइफ से भरपूर इस क्षेत्र में गुलदार, भालू, सेही, घुल जैसे वन्यजीव बहुतायत में हैं। इसके जंगल में विभिन्न प्रजातों के पक्षियों की भी भरमार है। डांडाचली का मौसम जून की गर्मी में भी ठंडक का एहसास कराता है, जबकि दिसंबर व जनवरी में यहाँ चार से पाँच फीट तक बर्फ जम जाती है।
- उन्होंने बताया कि यहाँ देवदार के जंगल में नेचर ट्रैक बनाए जाएंगे। मद्यान, व्यू पॉइंट और साहसिक खेलों की सुविधा भी पर्यटकों को मलिंगी। इसके अलावा बर्मा ब्रिज, वुडन व ग्लास हाउस रेस्तरां और माउंटन बाइक ट्रैक भी यहाँ पर बनाए जाएंगे।
- हालाँकि, डांडाचली में ठहरने के लिये होटल आदि की व्यवस्था न होने के कारण पर्यटकों को शाम ढलने से पूर्व ही चंबा या नई टहिरी वापस लौटना पड़ता है। इसके बावजूद पर्यटकों की आवाजाही नरितर बनी रहती है। नए साल का जश्न मनाने के लिये हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक डांडाचली पहुँचते हैं, लेकिन डांडाचली के पर्यटन मानचित्र पर न होने के कारण यहाँ आने वाले पर्यटकों का कोई लेखा-जोखा नहीं रखा जाता।
- डांडाचली में ईको पार्क बनने पर स्थानीय युवाओं को भी रोज़गार मलिंगी तथा पर्यटकों की आमद बढ़ने से यहाँ दुकान व होम स्टे तो खुलेंगे ही, रोज़गार के अन्य साधन भी विकसित होंगे।